

—अणिमा सिंह
२०.५.६२
शिशु गीत और खेल

(२८)
[मैथिली लोकगीत में]

Ms.
S71.421 (Ms.)
SIN

संकलयित्री
डाक्टर प्रोफेसर अणिमा सिंह
लेडी ब्रेवोर्न कॉलेज,
कलकत्ता



प्रकाशक
मिथिला दर्शन प्राइवेट लिमिटेड
१४ बी, ब्रजनाथ मिश्र रोड,
कलकत्ता-६

छु
छ,
छि,
छि,
करा
ती मे
रहनो
छागन
होइछ,
तर्फेछ,
ताइछ।

● प्रकाशक :

मिथिला दर्शन प्राइवेट लिमिटेड

१४ बी, मजनाथ मित्र लेन,

कलकत्ता-६

● मुद्रक :

सिंह प्रेस

१६२/८०, लेक गार्डेंस,

कलकत्ता-४६

● प्रथम संस्करण :

१९६६

१००० प्रति

● मूल्य :

६० पैसा

आमुख

मानव जीवन में शिशु-गीत एवं क्रीड़ा क महत्ता सहज ही बहुत अधिक है। बाल लीला एवं शिशु-विषयक सहज उद्गार सँ पाषाणो कृदय एक बेर आनन्द-विह्वल भ' ज सकैछ। विश्व क कोनो साहित्य एहि रमणीय वातावरण क उपेक्षा नहि क' सकल अछि। सूर-तुलसी आदि श्रेष्ठ कवि लोकनि क बाल-वर्णन देखवे योग्य अछि। किन्तु एतय संगृहीत गीत-माधुरी आन कोनो काव्य मे दुर्लभ अछि। शिशु-विषयक एहन सरस गीत सँ जे कोनो भाषा साहित्य गौरवान्वित भ' सकैछ। लोक-मनीषा द्वारा एकर अनुपम वर्णन भेल अछि।

मैथिली मे केक प्रकार क शिशु-गीत गाओल जाइछ। किछु गीत तँ कननिहार नेना केँ चुप करवा' क लेल गाओल जाइछ, किछु गीत तखन गाओल जाइछ जखन शिशु खाइत नहि गछि और माय वा आन स्त्री ओकरा फुसला कए खुआवे चाहैत छथि, किछु गीत ओकरा सुखपूर्वक सुतेबाक लेल गाओल जाइछ, जकरा हिन्दी मे 'लोरी' बंगला मे 'भूमपाइानी गान' तथा अंग्रेजी मे 'ललावाइ' कहल जाइत छैक। एकर अतिरिक्त किछु एहनो शिशु गीत भेटैछ, जकरा शिशुक मन बढ़लावक लेल धिरगन गाबैत छथि। किछु शिशु गीत मे प्रायः कथात्मकता होइछ, किन्तु ओहि कथात्मकता क निर्वाह नीक जकाँ नहि भ' सकैछ। बीच मे अंखला टटि जाइछ वा डटपुटाना बात आबि जाइछ।

एहि गीत सभ ठ तुक और छन्द-योजना मे प्रचुर लोच पावैत छी अनेक प्रकार क अंग-संचालन तथा सुन्दर भाव-भंगी क संग अभिव्यक्त होमैवाला गीत बड़ मनोहारी लगैछ। किछु गीत मे गृहस्थी क समस्या क समावेश रहैछ। एहि मे गृहस्थी सँ सम्बन्धित वस्तु सभक तथा परिवार क स्त्री लोकनिक पारस्परिक सम्बन्ध क चित्र और सुन्दर वर्णन भेटैछ।

खेलवा काल छेलाड़ी सब गीत क उपयोग करैत छथि। एहि गीत सब के छेलाड़ी क मन क उल्लास और उमंग अभिव्यक्ति भेटैछ। खेल क क्रम और विधि क अनुरूप ओकर छन्द-योजना होइछ। अधिकोश खेल मे गीत क पद बहुत कम होइछ; किन्तु ओहि पद क आवृत्ति विभिन्न रूप मे विभिन्न शारीरिक चेष्टा क प्रदर्शन द्वारा कैल जाइछ। खेल और पतद्विषयक गीत असंख्य अछि।

—अणिमा सिंह

शिशु-गीत

१

अट्टा—बट्टा

अजब के साथ गो चेटा

एक टा गोल गाय मे

एक टा गोल भैंस मे

एक टा गोल हाथी मे

एक टा गोल घोड़ा मे

एक टा गोल बकरी मे

एक टा गोल छकरी मे

एक टा गोल भेड़ी मे

खिरिया-पुड़िया रिन्हलह

अपना खेलह ?

— हँ

हमरा लेल राखलह ?

बिलाइ छाया गोल

चल गुड़गुड़िया, चल गुड़गुड़िया,

ओकरी समा गुड़गुड़िया।

चान मामू, चान मामू, हँसुआ दे।
 सेहो हँसुआ कथी ले ? -- खड़वा कटावै ले।
 सेहो खड़वा कथी ले ? -- बंगला छरावै ले।
 सेहो बंगला कथी ले ? -- गैया हुकावै ले।
 सेहो गैया कथी ले ? -- चोतवा पुरावै ले।
 सेहो चोतवा कथी ले ? -- अंगना निपावै ले।
 सेहो अंगना कथी ले ? -- गडूमा सुखावै ले।
 सेहो गडूमा कथी ले ? -- मैदवा पितावै ले।
 सेहो मैदवा कथी ले ? -- पुड़िया पकावै ले।
 सेहो पुड़िया कथी ले ? -- भौजो के लिधावै ले।
 सेहो भौजो कथी ले ? -- बेटवा बिधावै ले।
 सेहो बेटवा कथी ले ? -- गुल्ली-डंटा खेलै ले।
 गुल्ली-डंटा दुटि गेल, बधुआ रुसि गेल।

चान मामू, चान मामू,
 आरे आवू, पारे आवू।
 नदिचा किनारे आवू,
 चानी के कटोरिया मे,
 दूध-भात नेने आवू।
 हमर तुनुवाक मुँह मे छुटुक,

हमर मोनमान मुँह मे गरक।

चल गे रंकी, दालि दरि ले।
 केकरा जात
 छोड़का मामू के चकरी।
 अटकन देलकैन, मटकन देलकैन,
 सध दालि खेलकैन चकरी।
 लथे गडूम के छपपच पुरिया,
 बाबा बगीचाक आम गे।
 खाइ-पी ले गे रंकी नौरिया,
 जेधे सिवेसर थान गे।
 माइ ले किनिहे नीक-नीक चुड़िया,
 बहिन ले किनिहे धारी गे।
 माइ हेरतौ आरी-आरी,
 बहिन हेरतौ फुलवाड़ी गे।
 दादी हेरतौ खाट तुरैया।
 नूतू छे चौपेवा गे।

पुधुआ झूल, मलेल झूल,
 कोन गाम झूल, पटना झूल,
 पटनाक धिया-पुता बड़ि लटकी।
 आँधी आएल, बुन्नी आएल
 चम्पा फूल उधियाए गेल
 लोड़ी बिच्छी रहि गेल

मामू आवै छै हौदा पर
 बतरह मामू खड़ाम पर
 बैठह मामू चौका पर
 बाबू राम के बेटी
 हाथ मे गुलेती
 मारै लागल छौकी
 उड़ि गेल पड़ौकी
 लव घर लेबह कि पुरान घर ?
 लव घर उठो रे उठो
 पुरान घर खसो ।

धुधुआ भूल, गलेल भूल
 कोन गाम भूल बेली भूल
 बेली पिताम्बर नाग की
 सोनगनि भा ठिक भूला
 पोखरि कात कात हिरला लगा
 हिरला गेलौ दूटि
 तुनु गेलौ रुसि

हाथी-हाथी रडन दे,
 बोल टन टन दे ।
 बड़का-बड़का कान दे,
 एसे टा बथान दे ।

अलिपा भूले, भलिपा भूले,
 हमर तुतुवा हुमुचि भूले ।
 चाचा के बगिचवा मे,
 अमुवा के निचवा मे,
 कर-कों, कर-कों, तुल्ला,
 पैना के चिचिल्ला ।

अटकन मटकन दरिया बटकन
 माघ मास करेला फरे
 जामुन गोटी जामुन गोटी
 पेतरी सोझाग गोटी
 बांस काटे ठाँव ठाँव
 नदी गुंगुवायल जाय
 कमलक फूल दुनू अलगल जाय
 छोटी रानी बड़ी रानी गेली नहाय
 कान मंझक तड़की गेलैन हेराव
 आव की पहिरती कौआक ठोर
 कौआ ठोर तऽ कारी
 आव की पहिरती साई
 साड़ी मे तऽ पिलुआ
 आव की पहिरती खिलुआ

१०

लाल दीदी ने
 की दीदी ने
 एक रत्ती छालही चटलिओ ने
 तेहि छे लाल कका मारलके
 आथ कोन घर तुकइयो ने
 बाबा घर तुकइयो ने
 बाबा बड़ चंडलवा ने
 बीषे बजार मे खसलहुँ ने
 सब धरियतवा हंसलक ने
 हमरो मामा हंसलक ने

११

छाता वाला मुनसा के आवे छे ?
 पहुना आवे छे
 नीमक गाछ पर की बजे छे ?
 बंग बजे छे
 आरे पहुना लड़िकए ?
 बंग देवौ तड़ि कए
 खइहौ सवादि कए
 हुक्का देवौ भरि कए
 कम मारिहौ कसि कए

१२

लाल गाछी गेलहुँ
 लाल आग पेलहुँ
 चोभा लगेलहुँ
 बाबा के देलहुँ
 धावा हो बाघ छे बचिनिया छे
 काजर बीजर केने छे
 गधेपुर मे की छे
 टिकुली सदायल छे
 पौती मे की छे
 हरमुनिया छे
 गहना गुड़िया राखल छे



१३

काजर के कजरौटी बेटी,
 हीगुर के मसाल।
 तार गाछ देख बेटी,
 देख संसार।

१४

अलिया ने, भलिया ने
 गोला धरद खेत खाइ छी ने
 कहाँ ने ?— डीह पर ने।
 डीहक रखवार के ने ? मामू ने

मामू गेलै पुरैनिया गे,
लाल-लाल बिछिया अनलक गे।
कलहू तर पिन्हैलक गे,
सासु के गोर लगौलक गे,
ननद के ठनकैलक गे।

१५

तेल करै चुप चुप
नुनु बाढ़ै लुप लुप
तेली के तेलाय लागै
नुनु के मोटाय लागै
तेली माथा फूटै बेल
नुनु माथा सोखै तेल

१६

चन्दा मामू अओना
धुंधरु बजौना
सोने सरवा
दूध के कटोरवा
चन्दा मामू घुटुक

१७

आको पाको
दिया जराको

सोनक दिया रूपा क बाती
नुनु सुतै सुखक राती
कननी खिझनी पाछु जा
हँसनी खेलनी आगु आ

१८

आहे माहे गोजा रोटी खा हे
मरुआ के रोटी गौरी दाय के बेटी
जाय छैन बिदेसी
रंगे रंग ढोल बाजै सुनहु परदेसी

१९

जे हमरा नुनु के नजर लगावै गुजर लगावै
बासी बड़नी धीपल खपड़ी
तकरा मांग पर मारौं
कैल करतूत डीठ मूठ
नजर गुजर सब चूल्ही मे
पट पटाइ दै

२०

ओर चोर
नुनु जाय मामा कोर

२१

मैना गे तोहर गौना हैतो
हैत न त की

सोलह सौ सुपारी अचतो
आयत न त की
बारह हाथ के साड़ी अचतो
आयत न त की
लवका घर में फदका करिहै
करव न त की

२२

सुते सुते रे नुनु बाल बचना
माइ मोलौ कूटै पीसै वाप गड़ीमान
दादा के कैल सनक दादी बदनाम

२३

नुनु खाव दूध भत्ता
बिलैया चाटै पत्ता
जौं जौं पत्ता उधियायल जाय
तौं तौं नुनु रुसल जाय

२४

बाधा हो कका हो सुगा खाइख' धान हो
हौकी बेटी लड़मी
गोड़ में देखौ पैजनी
चलौ सुभद्रा फूल तोड़ै लै
फूले गाल तर आयल जमाव
बेटी के लेलकौ दोली चड़ाए
जं जं बेटी हँकरल जाय
तं तं कहरिया पछरल जाय

घर के लागल दाँती
कनिया पिटैये छाती
चल रे भोकना हाथी
घर बैठल घर तर
कनिया बैठल पीपर तर

२५

अलेल मलेल के जरना
तुलसी फूल के लरना
मागा अवैलौ मामा
कथी पर हाथी पर
उतरी मामा खड़ाव पर
बैली मामा पिड़िया पर
साठी धान के चूड़ा रे चूड़ा
घेनु भैंस के दूध
मामा खेता दही चूड़ा नुनु खेते जूठ

२६

हाहो रे परवतो सुगा
हमरा खेत में जइहै सुगा
मामा के खेत जइहै सुगा
एकटा सीस अनिहै सुगा
घोंघा में भात करिहै सुगा
सितुआ में माइ पसैहै सुगा

अपना लीहै परतवा मे
 नुनु के दीहै फटोरवा मे
 ते लै नुनु रुसल जाय
 यावा काका बौसने जाय
 चल रे नुनु हमर खरिहान
 खेत मे देवी एक सूप धान
 तेकर किनिहै गूआ पान
 पान बला के पाने नहि
 ते हमरा नुनू के दाते नहि

२७

हे मे विलैया कतय जाइछे ?
 माल मारै ।
 केना मारवै ? छव्वर छिया ।
 केना आनवै ? टांगि टूंगि ।
 केना काटवै ? हंसुआ कचिया ।
 केना रिन्हवै ? छन्नर पन्नर ।
 केना खैवै ? नम्मा चौरी ।
 केना पादवै ? टी टाँय ।

२८

एक तारा दू तारा
 सनमा गोपाल तारा
 सनमा क बेटी बड़ भगराहि

भगइत भगइत गेल गंगा पार
 गंगा मैयो बालू दे
 सेहो बालू कनूनिया ले लेल
 कनूनिया बेचारी फुटहा देल
 सेहो फुटहा चरवाहा लेल
 चरवाहा बेचारा दूध देल
 सेहो दूध बिलाइ पी गेल
 बिलाइ बेचारी मूत देल
 सेहो मूत चिलहा लै गेल
 चिलहा बेचारा पंखा देल
 सेहो पंखा मामू के देल
 मामू बेचारा घोड़ा देल
 मामी एगो खुदियो ने देल

२९

आ रे कुत्ता आइ जो
 नगरी होलाय जो
 नगरी मे आगि लागलौ
 बाप के बोलाय जो
 बाप देलकी अंगा टोपी गुदरा कै
 नाक मे बुलाकी देलकी तबला कै
 साँझ दे ने सँभली बिछौना बिछाने मझली
 जौ गहुम के कटनी धक्का मार ने गोतनी

३०

आ रे कुत्ता आ
नंगरी डोला
नंगरी में आगि लागलौ
बाप के बोला

३१

ननदो दास गो ननदो दास
बेटा कानैखो खोपरी में
काने दे जनपिह्या के
नाथे दे पमरिया के
देखे दे सिपहिया के

३२

अटकन मटकन दहिया चटकन
माघ मास फरे करेला
ओहि करेला क नाम की
आप जाय तेवरी सोहाग
सिही लेवौ कि मंगुरी

३३

हले हले नुन हले
माइ रुकमिनिया बाप भले
पितिया तोहर राजकुमार
फूफा छ' कलवार के

३४

सुत गो नुन सुतौनी देवो
बगरो के दाँग छे खचीनी देवो

३५

आ आ रे खजन चिहैया
अंदा पाहि पाहि जो
तोरो अंदा आगि लागो
नुन के आँखि मे नीन

३६

एलमन थेलसन
धोविया क पाट सन
कुम्हरा क चाक सन
भनसिया क कटौत सन
केरा क थम्ह सन
भोकना बिलार सन
नुन ननिहर देख
नुन ददिहर देख

खेल क गीत

३७

भुभुरकोना

भुभुरकोना भुभुरकोना कोन कोना जाएव ?
एहि कोना जाएव ?
ऊँ हूँ । ओहि कोना ।
भुभुरकोना भुभुरकोना कोन कोना जाएव ?
एहि कोना जाएव ?
ऊँ हूँ । ओहि कोना ।

३८

रजकोतवाछ

हमरा बाड़ी, हमरा बाड़ी के ठनके ?
रजकोतवाछ ।
की-की मंगेये ?
आरव चाउर नव ठकना,
राजा पठौलन्हि कटहर ले
ई त फूलले अछि
ई त फरले अछि
ई त काँचे अछि
ई पाकल अछि

३९

४०

मैना के बच्चा हिरोलिया रे, दूटा जामुन गिरा
कच्चा गिरैवे त मारवो रे, दू गो पप्पल गिरा

४०

कचड्डी

चल कचड्डी करिया
पकड़ि ले घरिया
बना दे हरिया
चल कचड्डी छुरे
चल कचड्डी छुरे

४१

चल कचड्डी आरल
सुलतानगंज हारल
दिल्ली के पछाड़ल
के नाम लए पुकारल ?

४२

चल कचड्डी टोंडियाँ
पटक दे मुँडियाँ
कनी देख ले रे गुँडियाँ

४३

चल कबड्डी चटका
उठा कए पटका
हुलि दे बे - खटका

४४

मरल के हे, मरे दहो
काशी जी मे जरै दहो

४५

चेत कबड्डी घेतकदार
हाड़ न टूटे खबरदार

४६

तार काटौ तरकुन काटौ
काटौ रे खरबूजा
हाथी पर के रैन गिरल
टैन महाराजा

४७

हे राजा !
कौ परजा ?
तोहर घोड़ा धान किये खेलक ?
खेबे करत

घोड़ा के बान्हि दिय' कि छोड़ि दिय' ?
बान्हि दिय' ।

४८

घोघो रानी, कतना पानी ?
सुती तक ।
घोघो रानी, कतना पानी ?
ठेंगहुन तक ।
घोघो रानी, कतना पानी ?
ग'र तक ।
घोघो रानी, कतना पानी ?
नाक तक ।
घोघो रानी, कतना पानी ?
माथा तक ।
ई घर काटौ ?
नहि ।
ई घर काटौ
नहि ।

४९

हे बक देहनो देहनो देहनो,
तू छुपकल छ' केहनो ?
हम छुपकल छी तोरे काटे ले,
तू लटकल छ' केहनो ?

हम लटकल छी प्रसाद चढ़ै ले
तू छुपकल छी केहनो
धक देहनो देहनो देहनो

२०

तारनी बाबू तार कटावै रेल बनावै रेल
रेल चलै धक धक धुर्वैया पैंकै फक फक
आनापुर मे दाना मिलै भागलपुर मे भात
काशी जी मे डूबकी मारै चल गुरु के साथ

२१

एंग लरी बेंग लरी जमुना लरी
जमुना मे दाल गिरै मामी सरी
मामी के बेटा कूबत खरी
हम हुनू भाय पटना जाय
पटना सँ दू चोली मँगाय
पुतहु पीन्है सासु भमकाय
नदी किनार मे बगुला बेंडे
अहरा चुनि चुनि खाय
सिंघी मछलिया काँट चलावै
कलपि कलपि दिन जाय
अगिया अगिया घुरै घोड़ा ने जाय

२२
करिया भुम्भरि

हे मन्गलो,
की छोटको ?
बड़को कहाँ गेल ?
घाँस काटे ।
घाँस मे की ?
पौती ।
पौती मे की ?
भरनी ।
भरनी मे की ?
ककही ।
ककही मे की ?
केस ।
केस मे की ?
ढील ।
ढील मे की ?
लीख ।
लीख पटापट मारै छी
करिया भुम्भरि खेलै छी ।

२३

करिया भुम्भरि
पौती मे की ? — भरनी
भरनी मे की ? — कंधी

LIBRARY

SIN

VII

कंधी मे की ? — केस
 केस मे की ? — डील
 डील मे की ? — लीख
 लीख पटापट मारै छी
 करिया भुम्भरि खेले छी
 लीख पटापट मारै छी
 करिया भुम्भरि खेले छी

१४

एनियों से बेनियों दूरभंगा वाली कनियों
 सेहो कनियों मांगै छै लोकनिया हे
 कदम जोड़ी फूल
 अपन भैया रहितै डोला लागल जैतिदै
 पितियौत भैया लागै छै गै-चरथा.सन हे

१५

आगु आगु कनियों लताम खैने जाय
 पीछू सँ लोकनिया ठेकान कैने जाय

१६

कनियनि मनियनि भिगा क मोर
 कनियनि माइ के छै नेल चोर
 दौड़ हो सहमौरा क लोग

१७
 छौड़ा नौड़ा बंग पकौड़ा,
 बंग के रोटी खो
 वाप गेलौ पटना
 बन्दूक ले कर जो

१८

वालि दररी भूंग दररी
 भावा पोखरि मे धूम चकरी
 भैया पोखरि मे बड़ मछरी

१९

लाल कका हो, लाल गाछी गेलौ
 लाल आम पलौ, बोभा लौलौ
 इनार मे डोल, घन घन बोल
 आध नहि जावव पछवरिया डोल
 बाघ छै, बघिनिया छै
 पौंती मे हरमुनिया छै
 बोल हरमुनिया बोल

२०

लाल गाछी गेलौ लाल आम पलौ
 पैरा पर के धौलौ
 पैरवा खोधि खोधि खाइवै

LIBRARY

451 SIN

अगिला कौआ झुन्नर झुन्नर, पड़िला कौआ चोर
हमरा मचान पर ऐहरे कौआ
बाघ छौ बघिनिया छौ
पौंती मे हरमुनिया छौ
सिक्की के डाली चमेली के फूल
राजा बम बम बोल

६१

कौआ रे कक्का, आम दे पक्का
मारवौ चोभक्का दक्कल नै, खोपल नै
कांच नै, कक्कोहल नै आम दे पक्का,
मारवौ चोभक्का, तब कह्यौ कक्का।

६२

हे चुड़ि चुड़िया, पावनि कहिया ?
दिन राति बीति गोल उल्लख कहिया ?

६३

खजन चिरैती खजन चिरैती कहिया लवान
आइ नहि, काहिह नहि, परसू लवान



LIBRARY

4486 SIW

MI

period of

stored at

turn down

book lent